ICSSR द्वारा महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की शोध परियोजना स्वीकृत, चेरो जनजाति की पारंपरिक पारिस्थितिकी ज्ञान प्रणाली पर होगा शोध

17 मार्च 2026, वर्धा: भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR), नई दिल्ली ने वर्ष 2025-26 के शोध

परियोजना प्रस्ताव आह्वान (Call for Project Proposals Under the Scheme Major and Minor Research Projects) के अंतर्गत महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के डॉ. वरुण कुमार उपाध्याय (प्रधान अन्वेषक) समाजशास्त्र विभाग एवं शिक्षा विभाग के डॉ. चन्द्रशेखर पाण्डेय (सह-अन्वेषक) द्वारा प्रस्तुत शोध प्रस्ताव को ICSSR की विशेषज्ञ समिति की अनुशंसा पर स्वीकृति प्रदान की गई है।

परियोजना का शीर्षक है 'Designing a Web-based Information System and a Model of Environmental Education for the Indigenous Ecological Knowledge System of the Chero Tribe in Bihar'। इस परियोजना का उद्देश्य बिहार के कैमूर जिले में निवासरत चेरो जनजाति की समृद्ध पारंपरिक पारिस्थितिकीय ज्ञान प्रणाली का नृजातीय अध्ययन (Ethnographic Study) करना है। इसके अंतर्गत चेरो जनजाति की स्थानीय जैव विविधता, पारिस्थितिकीय ज्ञान संप्रेषण विधियों, संस्कृति एवं पर्यावरण के अंतर्संबंधों का प्रलेखन किया जाएगा तथा नृविज्ञान-समेकित पर्यावरण शिक्षा का मॉडल एवं डिजिटल सूचना प्रणाली विकसित की जाएगी। यह परियोजना भारतीय ज्ञान प्रणाली Indian Knowledge System के संरक्षण एवं शिक्षा में एकीकरण की दिशा में विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। विश्वविद्यालय के कुलपति ने इस उपलब्धि पर दोनों शोधकर्ताओं को बधाई दी है।